केस स्टडी

गाँव का विकास– एक प्रयास

टोला :– **हरिजन टोला**
गाँव :– **तेल्हुआ**
पंचायत :– **दक्षिण तेल्हुआ**
प्रखण्ड :– **नौतन**
जिला :– **प0 चम्पारण**

समिति के गठन का इतिहास :–

नौतन प्रखण्ड के दक्षिण तेल्हुआ पंचायत में हरिजन टोला एक ऐसा गाँव है जहाँ दलित समुदाय के लोग रहते है, जो विकास से कोसे दूर है। इस गाँव में मेघ पाईन अभियान के तहत गाँव विकास समिति का गठन किया गया है। वार्ड नं0– 3 हरिजन टोला में एक वृहद आम सभा का आयोजन किया गया जिसमें इस टोला के लगभग 100 से अधिक पुरूष और महिलाओं ने भाग लिया। सर्वसम्मति से श्री फागु राम को गाँव विकास समिति का अध्यक्ष, प्रभावती देवी को सचिव, सुकवारी देवी को कोषाध्यक्ष, मनोज राम को उपकोषाध्यक्ष और नंदलाल राम को उपसचिव के पद पर चयनित किया गया। काम को विकास के पथ पर लाने के लिए एक 15 सदस्यीय कमिटि का गठन किया गया। जिसमें दो–दो व्यक्तियों को अलग–अलग विभागों की जिम्मेवारी सौपी गयी। ये सभी विभागीय प्रतिनिधि अपने गाँव से संबंधित समस्याओं को संग्रह कर उचित कार्यवाही के लिए संबंधित अधिकारियों से सम्पर्क स्थापित करेंगे। विभागों का विवरण इस प्रकार है–

क. नरेगा के कार्यो की देख–रेख	:–	पूजन पासवान एवं चईत राम
ख. स्वच्छ पेयजल एवं शौचालय	:–	फागू राम एवं छठू राम
ग. वृद्धा पेंषन एवं अन्य पेंषन	:–	बन्धु राम एवं प्रेम राम
घ. इन्दिरा आवास एवं अन्य	:–	सुकवारी देवी एवं मोनाफ मियां
च. जन वितरण प्रणाली	:–	भोला राम एवं प्रभावती देवी

छ. बिजली एवं सोलर	:–	मनोज राम एवं हीरा पासवान
ज. सड़क	:–	नन्दलाल राम एवं राधिका देवी
झ. स्वास्थ्य एवं षिक्षा	:–	चम्पा देवी एवं मनोज

गाँव विकास समिति का उदेष्यः–

गाँव विकस समिति का मुख्य उदेष्य यह है कि गाँव के विकास में समुदाय की भागीदारी को सुनिष्चित कर विकास का एक मॉडल लागु किया जाय। सरकार, समुदाय गाँव विकास समिति, ग्राम पंचायत के संयुक्त प्रयास से हरिजन टोला गाँव का विकास किया जाय। समिति का एक यह भी मकसद है कि गाँव के लोग किसी के हाथों ठगी के षिकार न बने तथा किसी भी काम के लिए बिना घुस दिये असानी से अपने काम को करवा सके। सरकारी अधिकारी एवं जन प्रतिनिधि खुद गाँव तक चलकर आवे और लोगों की समस्याओं को सूने–समझे तथा निदान करें।

बंद कुँआ को चालू करने का प्रयासः–

विकास समिति के सामने सबसे बड़ी समस्या यह रही थी कि बंद कुँआ को किस प्रकार चालु किया जाय और शुद्ध पानी प्राप्त किया जाय। इसके लिए समिति से मेघ पाईन अभियान के क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं ने सम्पर्क किया। अभियान के कार्यकर्ताओं ने बताया कि कुछ चंदा आपलोग जुटाएँ और बाकी अभियान का पैसा खर्च करके कुँआ के पानी को फिर पीने लायक बना दिया जायेगा। इसी मूद्दे पर गाँव के 130 परिवार के लोगों की एक बैठक करायी गई। गाँव वालों ने कुँआ को पुनः जीवीत करने के लिए संकल्प लिया। इस कार्य को सम्पन्न करने की जिम्मेवारी गाँव विकास समिति को दिया गया। समिति की बैठक में 7 लोगों की एक टीम बनाई गई जो गाँव के प्रत्येक परिवार से चंदा इक्कठा करेगी। कुँआ मरम्मती के लिए एक अनुमानित बजट बनाया गया। जिस बजट को गाँव विकास समिति एवं अभियान के साथियों द्वारा मिलकर बनाया गया। जिसमें अभियान के द्वारा 7000/– रूपया और 3500/– गाँव वालों के द्वारा सहयोग करने की सहमति हुई। अभियान के सहयोग और गाँव विकास समिति के प्रयास से ही कुँआ जीवित हुआ।

जल जमाव एवं नालाः–

गाँव विकास समिति के प्रयास से जब कुंआ पूनः चालू हुआ तो लोगों में एक उत्साह था। एक नई उमंग एवं जोष थी। इस टोला के सभी परिवार वाले कुंआ का पानी उपयोग करने लगे। कुंआ का पानी पीने से, स्नान करने से तथा कपड़ा साफ करने से कुंआ के आस–पास काफी पानी जमा होने लगा, बगल का सड़क कुंआ के निकले हुए नापी से डुब जाता था जिससे रास्ता चलने वाले लोगों को काफी परेषानी होने लगी। इस तरह कुंआ के पास जल निकासी नहीं होने से जल–जमाव की समस्या पैदा हो गयी। गाँव विकास समिति एवं गाँव के लोगों ने पंचायत पर दबाव बनाया तथा 50,000/– से अधिक राषि खर्च करके पंचायत के द्वादस योजना द्वारा 550 फीट की लम्बाई में नाला बनवाया गया।

ठगने से बचानाः–

गाँव विकास समिति ने अपने टोला के लोगों को कभी ठगने नहीं दिया। एक बार की बात है सरकार से बी0पी0एल0 परिवार को मुफ्त में बिजली देने का ऐलान हुआ। कुछ बिजली वाला कर्मचारी फार्म भरने के लिए आए और 78 व्यक्तियों का फार्म भरने के लिए 30–30 रू0 ठगकर चले गए। फार्म भरने का काम अधुरा छोड दिए। जब समिति को इस बात का पता चला तो समिति के अध्यक्ष श्री फागु राम ने मेघ पाईन अभियान के साथियों से इस बात को बताए। अभियान के द्वारा यह जानकारी दिया गया कि बिजली फार्म निःषुल्क भरना था तथा इस काम के लिए पैसा किसी को देने की जरूरत नहीं है। केवल उसमें एक फोटो लगता है। उसका दाम 5 रू0 लगेगा, फोटो खीचने वाला आदमी यही आकर आपलोगों का फोटो खीच देगा और साफ करके दे जाएगा। तब उस टोला में अभियान के साथी राजाकिषोर सिंह एवं सुनीला कुमारी के द्वारा उनलोगों का फार्म भरना शुरू किया गया। बी0पी0एल0 नम्बर फार्म पर चढ़ाने के लिए अभियान के द्वारा प्रखण्ड से 200 रू0 लगाकर बी0पी0एल0 सूची निकाली गयी। हरिजन टोला के ग्रामीणों का फार्म पर फोटो साटने के लिए एक समय निष्चित करके फोटो खीचने वाले को बुला दिया गया और बी0पी0एल0 129 परिवार के लोगों का फोटो खिचाव कर फार्म पर साटने के बाद मुखिया के

हस्ताक्षर मोहर कराकर फार्म को अपटुडेट किया गया। फोटो साटकर मुखिया का हस्ताक्षर कराके दो लिस्ट बनाया गया। एक लिस्ट के साथ फार्म जमा करा दिया गया और दूसरा लिस्ट समिति के अध्यक्ष श्री फागु राम को दे दिया गया कि जब बिजली वाले वायरिंग करने आएगें तो उसी लिस्ट के अनुसार वायरिंग करेंगे। हरिजन टोला में वायरिंग का काम शुरू भी हो चुका है। अधिकांष परिवार में बिजली का वायरिंग भी हो चुका है। कुछ ही परिवार है जिनका वायरिंग बाकी है। यह गाँव विकास समिति का ही देन है कि हरिजन टोला गाँव के लोगों का हजारों रूपया ठगी होने से बच गया।

<u>नाला निर्माण की जिम्मेवारीः–</u>

कुँआ से गिरनेवाली पानी सड़क पर जाकर नाले से होती हुई निकल जा रही है। लोग खुब पानी गिराते है। कुँआ के पानी का उपयोग पूरा–पूरा हो रहा है। नाला के बगल में अवस्थित सभी चापाकलों के पानी भी नाला में ही गिरता हैं। नाला का निर्माण कार्य गाँव विकास समिति की देख–रेख वो निगरानी में करायी गई। जब नाला बन रहा था तो उसमें घ ाटिया ईट लगा रहा था तो गाँव विकास समिति ने रोका तथा बाद में बढ़िया ईट, सिमेंट व बालु से काम होने लगा।